ACCCF / अनुप्रयुक्त ज्ञान का पुस्तकालय

U4

खंड

स्रोत, विरोधाभास और वैकल्पिक परिकल्पनाएँ

स्पेनिश भाषा का संस्करण · 2026

डिजिटल साक्ष्य पर आधारित आरोपों के विरुद्ध

तकनीकी बचाव मैनुअल

स्क्रीनशॉट, वार्तालाप, फ़ाइलों, स्थान, रिपोर्टों और विशेषज्ञ तर्क की समीक्षा

आरोप की समीक्षा उसके शॉर्टकट स्वीकार किए या दूसरी सुविधाजनक कहानी गढ़े बिना करना: वस्तु खोजें, विधि जाँचें और सीमा तय करें कि वास्तव में क्या कहा जा सकता है।

आरोपित व्यक्तियों, बचाव पक्ष के वकीलों, पक्ष और विरोधी-परीक्षण के विशेषज्ञों, स्वतंत्र समीक्षकों तथा सत्यापनीय तकनीकी प्रश्न बनाने वाली टीमों के लिए। इसमें प्रक्रियागत रणनीतियाँ नहीं हैं और यह अभिलेख के कानूनी विश्लेषण का विकल्प नहीं है।

संपादकीय समन्वय: Jocsan Laguna · अमेरिकन साइबर सुरक्षा और कंप्यूटर फोरेंसिक परिषद

सामान्य तकनीकी मार्गदर्शिका और खुली शैक्षिक सामग्री। यह कानूनी सलाह, विशेषज्ञ राय या बिना प्राधिकरण सिस्टमों तक पहुँचने का निर्देश नहीं है। उदाहरण और डेटा काल्पनिक हैं; आकृतियाँ संपादकीय पुनर्निर्माण हैं।

विषय-सूची

दृश्यमान पृष्ठ-संख्याएँ PDF संस्करण से संबंधित हैं। दस्तावेज़ खोलने पर Word इस विषय-सूची को अद्यतन कर सकता है; शीर्षकों में आंतरिक नेविगेशन बना रहता है।

प्रस्तावना: स्पष्ट चित्र भी अधूरी कहानी कह सकता है 3

अध्याय 1. फ़ाइल से पहले कथन 3

- **1.1 आरोप को घटकों में बाँटना** 3
- **1.2 अभिलेख और उसका कवरेज** 4

अध्याय 2. प्राप्ति और कस्टडी की समीक्षा 4

- **2.1 सामग्री से पहले वस्तु की पहचान** 4
- **2.2 कहानी से छूटे हुए स्थानांतरण** 5
- **2.3 प्राधिकरण और आनुपातिकता** 5

अध्याय 3. विरोधाभासों की मैट्रिक्स 5

- **3.1 केवल अनुकूल तथ्य चुने बिना पहचानना** 5
- **3.2 विरोधाभास के प्रकार और उनके प्रभाव** 6

अध्याय 4. स्क्रीनशॉट, वार्तालाप और फ़ाइलें 7

- **4.1 स्क्रीनशॉट एक अंश के रूप में** 7
- **4.2 मैसेजिंग का निर्यात और संदर्भ** 7
- **4.3 मेटाडेटा और संस्करण** 7

अध्याय 5. तर्क और स्वतंत्र समीक्षा 8

- **5.1 आधार-वाक्य और मिथ्या अनुमान** 8
- **5.2 वैकल्पिक परिकल्पनाएँ और खंडन-परीक्षण** 8
- **5.3 रिपोर्ट को चुनौती देने वाली समीक्षा** 9

अध्याय 6. विशेषज्ञ रिपोर्ट की समीक्षा 10

- **6.1 प्रत्येक निष्कर्ष की ट्रेसेबिलिटी** 10
- **6.2 विरोधी-परीक्षण के लिए उपयोगी प्रश्न** 10

अध्याय 7. समेकित मामला: आरोप से सीमित निष्कर्ष तक 10

- **7.1 उपलब्ध सामग्री** 10
- **7.2 जाँच और निष्कर्ष** 11
- **7.3 संक्षिप्त परिणाम रिपोर्ट** 11

परिशिष्ट A. समीक्षा प्रारूप और प्रश्न 11

- **A.1 कथन मैट्रिक्स** 11
- **A.2 तकनीकी प्रश्नों की सूची** 11
- **A.3 अनुरोधित और प्राप्त स्रोतों का अभिलेख** 12

परिशिष्ट B. समीक्षा के लिए कानूनी कार्य 12

प्रस्तावना: स्पष्ट चित्र भी अधूरी कहानी कह सकता है

किसी स्क्रीनशॉट में नाम, वाक्यांश और समय होने के कारण वह निर्णायक लग सकता है। किसी वीडियो में परिचित चेहरा दिखने से वह पर्याप्त लग सकता है। किसी एंटीना को मानचित्र पर बिंदु के रूप में दिखाने पर वह किसी पते जैसा प्रतीत हो सकता है। तकनीकी बचाव इस स्वचालित अनुवाद को रोकने से शुरू होता है: वस्तु वास्तव में क्या है, उसे किसने बनाया, वह कहानी का कौन-सा हिस्सा रखती है, कौन-सी विधि लागू हुई और कौन-सी दूसरी व्याख्याएँ अब भी संगत हैं।

विरोध करने का अर्थ सब कुछ नकारना नहीं है। यदि हैश मेल खाता है, तो उस मिलान को स्वीकार करें; यदि स्रोत विश्वसनीय है, तो उसका दायरा समझाएँ; यदि निष्कर्ष सही है, तो केवल विरोध के लिए उसे चुनौती न दें। काम का अर्थ सिद्ध तथ्य और निकाले गए निष्कर्ष को अलग करना है। कभी-कभी आरोप का निष्कर्ष बना रहता है। कभी-कभी गलत पहचान, बिना समय-क्षेत्र की तिथि या अपूर्ण निर्यात यह दिखाने के लिए पर्याप्त है कि प्रस्तुत तर्क अपने मौजूदा रूप में नहीं टिकता।

आरोपित व्यक्ति को पहली कहानी की कमजोरी दिखाने के लिए दूसरी कहानी गढ़ने की आवश्यकता नहीं है। समीक्षक निष्कर्ष निकाल सकता है कि स्रोत कथन को प्रमाणित नहीं करता, दूसरी व्याख्याएँ खारिज करने का कवरेज नहीं है या विधि से किसी व्यक्ति की पहचान संभव नहीं है। परिशुद्धता बचाव को बिना प्रमाण के दूसरे आरोप में बदलने से रोकती है।

> **मार्गदर्शक प्रश्न**
> यदि कोई असत्यापित आधार-वाक्य हटा दूँ तो कौन-सा कथन नहीं रहता? यही प्रश्न प्रत्येक स्क्रीनशॉट, रिपोर्ट, अभिलेख और निष्कर्ष की समीक्षा का मार्गदर्शन करता है।

अध्याय 1. फ़ाइल से पहले कथन

1.1 आरोप को घटकों में बाँटना

व्यक्ति, कार्रवाई, वस्तु, तिथि, स्थान और परिणाम सहित पूरा कथन बिना विशेषणों के लिखें। फिर उसके घटक अलग करें। “आरोपी ने 21:00 बजे अपने घर से संदेश भेजा” में कम से कम चार प्रश्न हैं: क्या संदेश मौजूद है, क्या खाता उससे जुड़ा था, क्या उपकरण उस स्थान पर था और क्या उसने उस समय उसका उपयोग किया। एक ही स्क्रीनशॉट शायद इनमें से किसी का भी पूरा उत्तर न दे।

विभिन्न संस्करणों को अलग दर्ज करें, उन्हें तथ्य न बनाएँ। आरोप कोई अनुक्रम प्रस्तुत करता है; बचाव पक्ष उसे नकार सकता है, कुछ हिस्सा स्वीकार कर सकता है या उससे अनजान हो सकता है। उद्देश्य दोनों को मिलाकर मध्यवर्ती संस्करण बनाना नहीं, बल्कि यह पहचानना है कि कौन-से स्रोत प्रत्येक तत्व की पुष्टि या कमजोरी कर सकते हैं। काम का पहला दस्तावेज़ कथनों और आवश्यक स्रोतों का मानचित्र है।

घटक	समीक्षा का प्रश्न	जाँच स्पष्ट करने वाला स्रोत
अस्तित्व	क्या संदेश, फ़ाइल, पोस्ट या अभिलेख मौजूद है?	मोटर फ़ाइल, अधिग्रहण, प्रतिकृति, सत्यापित प्रति।
अखंडता	किस रूप में सामग्री प्राप्त हुई और वह कब बदली?	मूल, निर्यात, EML, मेनिफ़ेस्ट और हैश।
आट्रिब्यूशन	खाता, उपकरण या व्यक्ति? किस साक्ष्य के साथ?	लॉग, प्रमाणीकरण कारक, सामग्री, सत्र और उपयोग।
समय	तारीख किस क्षेत्र, समय-क्षेत्र और घटना को दर्शाती है?	मूल अभिलेख, सिंक्रनाइज़ेशन और स्वतंत्र स्रोत।
स्थान	क्या वह निर्देशांक, सेल, निष्कर्ष या गंतव्य है?	परिशुद्धता, आरोहण, सामंजस्य, सेंसर और स्वतंत्र पुष्टि।
अर्थ	क्या सामग्री वर्णित घटना सिद्ध करती है या केवल दिखाई देने वाली बात?	प्रश्न, अनुक्रम, मूल और वैकल्पिक व्याख्या।

1.2 अभिलेख और उसका कवरेज

प्राप्त और अनुपलब्ध सामग्री की सूची बनाएँ: इमेज, नेटिव फ़ाइलें, डिस्क, कार्यालयीन पत्र, रिपोर्ट, परिशिष्ट, निर्यात, वीडियो, ऑडियो, दूरसंचार अभिलेख, लॉग और बयान। प्रत्येक वस्तु का मूल नाम बदले बिना उसे पहचानकर्ता दें। यदि विशेषज्ञ परीक्षण किसी ऐसे परिशिष्ट का उल्लेख करता है जो उपलब्ध नहीं है, तो निष्कर्ष का मूल्यांकन करने से पहले उस अनुपस्थिति को दर्ज करें। किसी रिपोर्ट की समीक्षा इस आधार पर न करें कि उसके परिशिष्ट केवल संदर्भ से मौजूद माने जाएँगे।

कवरेज में अवधि, सिस्टम, फ़िल्टर और शामिल न की गई वस्तुएँ बताएँ। "फ़ोन का विश्लेषण किया गया" यह नहीं बताता कि पूरी मेमोरी, कोई विभाजन, कोई एप्लिकेशन या कुछ स्क्रीनशॉट जाँचे गए। "संचारों की जाँच की गई" से भी यह स्पष्ट नहीं होता कि अर्थ बदलने वाले बाद के संदेश बाहर रखे गए या नहीं। बचाव पक्ष को केवल किसी एक पक्ष के अनुकूल परिणाम नहीं, क्वेरी और जाँचे गए सम्पूर्ण दायरे की आवश्यकता है।

> **कार्य-नियम**
> पहले विशेषज्ञ की प्रतिष्ठा पर बहस न करें। वस्तु, कवरेज और विधि जाँचें। क्रेडेंशियल की आलोचना उस स्रोत की समीक्षा का स्थान नहीं ले सकती जिसे आपने देखा ही नहीं है।



चित्र 1. प्रत्येक प्रतिनिधित्व क्या सुरक्षित रखता है। एक अच्छा छवि भी अधूरा स्रोत हो सकता है। संपादकीय पुनर्सृजन; वास्तविक साक्ष्य नहीं है।

अध्याय 2. प्राप्ति और कस्टडी की समीक्षा

2.1 सामग्री से पहले वस्तु की पहचान

कार्यवाही-विवरण से सटीक वस्तु पहचानी जानी चाहिए: प्रकार, ब्रांड, मॉडल, सीरीज़ या उपलब्ध पहचानकर्ता, स्थिति, सहायक उपकरण, पैकेजिंग, सील, तिथि और लोग। सामान्य विवरण वाली डिस्क, बिना लेबल की मेमोरी या दो कार्यवाहियों में अलग ढंग से वर्णित फ़ोन स्पष्टीकरण माँगता है। बचाव पक्ष पूछता है कि कौन-सी वस्तु आई, किसका अधिग्रहण हुआ और प्रत्येक फ़ोटो में कौन-सी दिखती है, बिना यह माने कि अंतर अपने आप दुर्भावनापूर्ण हेरफेर है।

पहचान की विसंगति स्पष्ट किए बिना निष्कर्ष न बनाएँ। यह ट्रांसक्रिप्शन की त्रुटि, अलग प्रतिनिधित्व या वास्तव में अलग वस्तु भी हो सकती है। कार्यवाही-विवरण, कार्यालयीन पत्र, फ़ोटो, क्षमता, प्रारूप, लेबल, सील और ऑप्टिकल डिस्क के केंद्रीय रिंग कोड की तुलना करें। संदेह को व्यक्ति से पहले स्रोत की ओर निर्देशित करें।

2.2 कहानी से छूटे हुए स्थानांतरण

कस्टडी शृंखला से पहुँच और उत्तरदायित्व के बदलावों का पुनर्निर्माण संभव होना चाहिए: प्राप्ति, खोलना, प्रति बनाना, विश्लेषण, स्थानांतरण, डाउनलोड और वापसी। यदि केवल अंतिम डिलीवरी का हस्ताक्षर है, तो एक अवधि बिना ट्रेसेबिलिटी रह जाती है। इससे परिवर्तन सिद्ध नहीं होता, लेकिन यह सीमित हो जाता है कि कौन और किन परिस्थितियों में वस्तु बदल सकता था।

डिजिटल फ़ाइलों के लिए पूरा चैनल संरक्षित रखें: EML, हेडर, मुख्य भाग, संलग्नक, लिंक, अनुमतियाँ, संस्करण और डाउनलोड। प्राप्ति के समय परिकलित हैश उसी समय से आगे अखंडता की जाँच करता है, न कि निर्माण से पूर्वव्यापी रूप में। यदि आपूर्तिकर्ता मुख्य भाग में हैश लिखता है, तो उसे सत्यापित करें और संबंध संरक्षित रखें। यदि रिपोर्ट में वस्तु, एल्गोरिदम या तिथि के बिना केवल मान कॉपी है, तो उसका अर्थ सीमित है।

कस्टडी का प्रश्न	अपेक्षित साक्ष्य	जो निष्कर्ष पहले से न निकाला जाए
क्या यह एक ही वस्तु है?	संगत पहचानकर्ता, फ़ाइल, खोल और फ़िंगरप्रिंट-विवरण।	फ़िंगरप्रिंट-विवरण में यह लिखा है, इसलिए सब कुछ मान्य है।”
किसकी पहुँच हो सकती थी?	घटनाएँ, भूमिकाएँ, स्थान, उद्देश्य और तिथि।	केवल विशेषज्ञ को उसके सर्वर हुआ था।
किस प्रति का विश्लेषण किया गया?	मूल, इमेज, निर्यात और कार्य-प्रति के बीच संबंध।	प्रति बिट-दर-बिट है क्योंकि रिपोर्ट ऐसा कहती है।
निर्यात के दौरान क्या बदला?	फ़िल्टर, समय-क्षेत्र, प्रारूप, फ़ील्ड और सीमाएँ।	PDF पूरे डेटाबेस के बराबर है।
क्या नहीं पता?	अनुपस्थित जानकारी, कार्रवाइयाँ और स्रोत।	जो अभिलेख का अनुपस्थित गतिविधि सिद्ध करता है।”

2.3 प्राधिकरण और आनुपातिकता

बचाव पक्ष जाँचता है कि पहुँच किसने अधिकृत की, कौन-सी कार्रवाइयाँ अनुमत थीं और क्या कोई अपवाद थे। स्वेच्छा से दिया गया पासवर्ड किसी विशिष्ट जाँच की अनुमति दे सकता है, पूरे डिजिटल जीवन की अंधाधुंध प्रति नहीं। कंपनी के उपकरण में निजी या तीसरे पक्ष की जानकारी हो सकती है। फ़ाइल खोलने की क्षमता अपने आप किसी भी उद्देश्य से उसके उपयोग की अनुमति सिद्ध नहीं करती।

समीक्षा का अर्थ घुसपैठ दोहराना नहीं है। यदि अभिलेख से किसी स्रोत तक पहुँच संभव नहीं है, तो उसे उपयुक्त माध्यम से माँगें। बचाव करने वाले व्यक्ति को “सत्यापित” करने के लिए दूसरों के खातों में प्रवेश या उनके उपकरणों पर टूल इंस्टॉल नहीं करना चाहिए। तकनीकी बचाव गोपनीयता को दूसरी चोट से भी बचाता है।

> **इस चरण का परिणाम**
>
> वस्तु, स्थिति, पहचान, प्राधिकरण, स्थानांतरण, प्रतिनिधित्व और रिक्तियों वाली तालिका। अगला चरण किसी याद की गई कहानी पर नहीं, इसी आधार पर विरोधाभासों का विश्लेषण करता है।

अध्याय 3. विरोधाभासों की मैट्रिक्स

3.1 केवल अनुकूल तथ्य चुने बिना पहचानना

मैट्रिक्स में आरोप और दूसरी व्याख्याओं के अनुरूप तथ्य शामिल करें। प्रत्येक पंक्ति में कथन, वस्तु, मूल मान, विधि, विरोधाभास, संभावित व्याख्या और लंबित साक्ष्य हों। घड़ियों, प्रारूपों, फ़ील्ड, कवरेज, प्रतिनिधित्व और ट्रांसक्रिप्शन की समीक्षा से पहले किसी विरोधाभास को “असत्य” चिह्नित न करें। कुछ अंतर समझाए जा सकते हैं; अन्य निष्कर्ष को रोक देते हैं।

कोई परिणाम एक पहलू की पुष्टि और दूसरे को कमजोर कर सकता है। EML से यह सिद्ध हो सकता है कि प्राप्त संलग्नक आपूर्तिकर्ता द्वारा बताए गए संलग्नक से मेल खाता है, लेकिन यह नहीं कि उसकी सामग्री सत्य है। वीडियो तकनीकी रूप से मूल होकर भी पहले से तैयार दृश्य दिखा सकता है। कोई तिथि सुसंगत होकर भी कथित घटना से संबंधित न हो। समीक्षा में ये अंतर बनाए रखें।

कथन	जाँच	समर्थित निष्कर्ष
फ़ाइल की नई प्रति बदली।	हैश, एन्कोडिंग, समय और स्रोत के साथ संबंध।	प्राप्ति के समय से मिलान, उससे पहले का इतिहास अज्ञात।
पोतालोप पूरा हुआ	निर्यात, ब्रेक, प्रतिमाएँ और फ़िल्टर।	दृश्यमान जोड़ी, कवरेज प्रमाणित करना शेष।
फ़ोटो 20:42 बजे ली गई थी।	मेटाडेटा, घड़ी, समय-क्षेत्र और जनुक्रम।	जोड़ीदार तिथि फिर दूसरे समय से संगत या असंगत हो सकती है।
एटना जोड़ियों को स्थान बताता है”	लेख, प्रोग्रामिका, कवरेज और टाइमलाइन।	नटपेक संबंध, व्यक्ति या पता सिद्ध नहीं।
विशेषज्ञ परीक्षण कर्ता की पहचान सिद्ध करता है”	स्रोत, विधि, वैकल्पिक व्याख्याएँ और जोखिम-पक्ष।	खाता संबंधित, नैतिक पहचान अनिवार्य।

3.2 विरोधाभास के प्रकार और उनके प्रभाव

पहचान संबंधी विरोधाभास पूछता है कि क्या एक ही वस्तु की बात हो रही है; स्रोत संबंधी, क्या प्रतिनिधित्व कथन का समर्थन करता है; विधि संबंधी, क्या क्वेरी वह परिणाम दे सकती है; समय संबंधी, क्या घड़ियाँ और समय-क्षेत्र संगत हैं; अनुमान संबंधी, क्या निष्कर्ष आधार-वाक्यों से निकलता है। सभी का समान महत्व नहीं होता और सभी अभिलेख को अमान्य नहीं करते। रिपोर्ट प्रत्येक कथन पर ठोस प्रभाव समझाती है।

साक्ष्य की अनुपस्थिति और अनुपस्थिति के साक्ष्य में भी अंतर करें। किसी अभिलेख का निर्यात में न दिखना तब अर्थपूर्ण हो सकता है जब स्रोत उस अवधि और फ़िल्टर के लिए पूर्ण हो, लेकिन इससे यह सिद्ध नहीं होता कि घटना दूसरे चैनलों में नहीं हुई। यह अंतर आपूर्तिकर्ता की सीमा को बचाव या आरोप का निरपेक्ष प्रमाण बनने से रोकता है।

> **समीक्षा की जाँच**
> क्या विरोधाभास वस्तु की पहचान, कवरेज, कालक्रम या निष्कर्ष को बदलता है? यदि कोई भी बदलाव नहीं होता है, तो यह एक प्रस्तुति अंतर हो सकता है। यदि कोई बदलाव होता है तो इसे हल करने वाला तकनीकी प्रश्न बनाया जाता है।



चित्र 2. किसी विरोधाभास का निर्णय नहीं, व्याख्या चाहिए। स्रोत, विधि और अनुमान की समीक्षा के लिए मैट्रिक्स का उदाहरण। संपादकीय पुनर्निर्माण; वास्तविक साक्ष्य नहीं है।

अध्याय 4. स्क्रीनशॉट, वार्तालाप और फ़ाइलें

4.1 स्क्रीनशॉट एक अंश के रूप में

जो दिखाई देता है और जो अनुपलब्ध है, दोनों का सटीक विवरण दें: URL, एप्लिकेशन, संस्करण, खाता, तिथि, समय-क्षेत्र, उपकरण, प्रतिभागी, पिछले और बाद के संदेश, संलग्नक तथा प्रतिक्रियाएँ। स्क्रीनशॉट किसी अंश को दिखाने में उपयोगी हो सकता है, लेकिन अपने आप संपूर्णता, सृजन तिथि या कर्ता-संबंध सिद्ध नहीं करता। नेटिव फ़ाइल, एप्लिकेशन का निर्यात, किसी दूसरे प्रतिभागी के पास संदेश या आपूर्तिकर्ता का अभिलेख माँगें।

जब केवल स्क्रीनशॉट उपलब्ध हो, तो निष्कर्ष सीमित रखें। संरेखण, संपीड़न या प्रारूप का अंतर देखकर यह न कहें कि उसे गढ़ा गया है: ऐसे संकेत एप्लिकेशन या स्क्रीनशॉट लेने की प्रक्रिया से भी आ सकते हैं। पहले का स्रोत खोजें और दर्ज करें कि उसे किसने, कब और किस उपकरण से बनाया। पहुँच न होने पर अनिश्चितता बनी रहती है।

4.2 मैसेजिंग का निर्यात और संदर्भ

निर्यात में उपयोगकर्ता या एप्लिकेशन के फ़ंक्शन द्वारा चुना गया पाठ और फ़ाइलें हो सकती हैं। यह आवश्यक रूप से डेटाबेस या सभी घटनाओं के बराबर नहीं है: संपादन, विलोपन, प्रतिक्रियाएँ, ब्लॉक और लिंक किए गए उपकरणों का कवरेज अलग हो सकता है। डेटा शब्दकोश, संस्करण, तिथि और फ़िल्टर माँगें। यदि संदेश एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन पर निर्भर है, तो आपूर्तिकर्ता के पास उसकी सामग्री नहीं हो सकती; इससे दूसरी परतों की समीक्षा नहीं रुकती।

अनुक्रम की तुलना दूसरे प्रतिभागियों को मिले संदेशों और लिंक किए गए उपकरणों के अभिलेखों से करें। किसी प्रतिक्रिया या बाद के संदेश से वाक्यांश का अर्थ बदल सकता है, लेकिन पिछला संदेश असत्य सिद्ध नहीं होता। बचाव पक्ष उलटा प्रभाव पैदा करने के लिए वार्तालाप नहीं काटता: वह पर्याप्त संदर्भ माँगता है और बताता है कि कौन-सा भाग अब भी अस्पष्ट है।

4.3 मेटाडेटा और संस्करण

तिथि, लेखक, एप्लिकेशन या उपकरण के फ़ील्ड अलग-अलग स्रोतों से बनते हैं और उनके अर्थ अलग होते हैं। सिस्टम की सृजन तिथि प्रति बनाने की तिथि हो सकती है; लेखक फ़ील्ड किसी सेटिंग से आ सकती है; उपकरण मॉडल किसी ऐसे एप्लिकेशन से आ सकता है

जिसने फ़ाइल पुनः लिखी हो। आंतरिक मेटाडेटा, सिस्टम गुण, थंबनेल, संस्करण इतिहास, क्लाउड प्रति और नाम-अनुक्रम की तुलना करें। मेटाडेटा सत्यापनीय संकेत है, अचूक गवाही नहीं।

डेटा	प्रारंभिक परिकल्पना	वैकल्पिक व्याख्या जिसका परीक्षण आवश्यक है
दस्तावेज़ का लेखक	नामित व्यक्ति ने इसे लिखा।	साझा खाता, टेम्पलेट, जन्म सॉफ़्टवेयर या सेटअप।
सृजन तिथि	फ़ाइल का सृजन उसी समय हुआ।	प्रति, डाउनलोड, रूपांतरण या जलग वड़ी।
IMG_0042	यह निरंतर नाम-अनुक्रम का हिस्सा है।	आयात, नाम बदलना, अनुक्रम पुनः जारी होना या फ़ाइलें अनुपलब्ध होना।
ईमेल खाता	खाता धारक ने पाठ लिखा।	सत्र, प्रतिनिधिकरण, चोरी या तीसरे पक्ष द्वारा लेखन।
EXIF स्थान	व्यक्ति उस सटीक बिंदु पर था।	परिशुद्धता, संपादन, विरासत में मिला मेटाडेटा या सिंक्रनाइज़ेशन।

काल्पनिक मामला

किसी स्क्रीनशॉट में 21:03 बजे की धमकी दिखाई देती है। नेटिव फ़ाइल और दूसरे प्रतिभागी को मिला संदेश 20:03 UTC दिखाते हैं, जो दूसरे स्थानीय समय से मेल खाता है। यह अंतर जालसाज़ी सिद्ध नहीं करता: इससे आरोप में छूटा हुआ रूपांतरण सामने आता है। समीक्षा में कालक्रम ठीक करें और सामग्री को उसके संदर्भ के साथ विश्लेषण के लिए संरक्षित रखें।

अध्याय 5. तर्क और स्वतंत्र समीक्षा

5.1 आधार-वाक्य और मिथ्या अनुमान

तर्क-युक्ति से स्पष्ट होता है कि क्या कमी है। प्रमुख आधार-वाक्य: सेल का अभिलेख निर्धारित परिस्थितियों में नेटवर्क संबंध प्रमाणित करता है। गौण आधार-वाक्य: अभिलेख किसी घटना को सेल A से जोड़ता है। मान्य निष्कर्ष: दस्तावेज़ित संबंध मौजूद है। इससे यह नहीं निकलता कि खाता धारक किसी पते पर था या उसके पास फ़ोन था। इसके लिए स्थान, टर्मिनल और उपयोग से जुड़े आधार-वाक्य चाहिए।

मिथ्या अनुमान तब उत्पन्न होता है जब किसी छोटे सत्य को बड़े निष्कर्ष का पासपोर्ट बना दिया जाता है: हस्ताक्षर सत्यापित है, इसलिए सारी सामग्री सत्य है; खाता किसी व्यक्ति का है, इसलिए उसीने लिखा; फ़ाइल अखंड है, इसलिए सृजन से मूल है; विशेषज्ञ प्रतिष्ठित है, इसलिए उसका निष्कर्ष वैज्ञानिक है। प्रत्येक छलांग के लिए अतिरिक्त आधार-वाक्य और जाँच आवश्यक है।

5.2 वैकल्पिक परिकल्पनाएँ और खंडन-परीक्षण

कम से कम दो संभावित व्याख्याएँ और उन्हें कमजोर कर सकने वाली जाँच तय करें। यदि फ़ाइल का नया सृजन कहा गया है, तो इतिहास और बैकअप जाँचें; यदि खाता धारक द्वारा उपयोग कहा गया है, तो सत्र और दूसरा प्रमाणीकरण कारक जाँचें; यदि हेरफेर कहा गया है, तो मूल और संदर्भों की तुलना करें। वैकल्पिक व्याख्या को सुविधाजनक होने के कारण न अपनाएँ: उसका मूल्यांकन आरोप के समान मानक से करें।

परिकल्पना A	परिकल्पना B	उनमे अंतर करने वाली जांच
प्रस्तुत की गई मूल दस्तावेज़	पहले की दस्तावेज़ जिसे बाद में कॉपी या संपादित किया गया हो।	संस्करण इतिहास, बैकअप और गतिविधि।
खाता धारक द्वारा उपयोग किया गया खाता	किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा उपयोग किया गया खाता या पहले से सक्रिय सत्र।	प्रमाणीकरण कारक, उपकरण, समयसीमा पहुंच और नियंत्रण।
संपादित फ़ाइल	एक तथाकथित मूल फ़ाइल।	संरचना, संदर्भ और रिकॉर्ड की पारस्परिकता।

परिकल्पना A	परिकल्पना B	उनमें अंतर करने वाली जाँच
विरोधी स्वामी-जानकारी।	जलग परिशुद्धता या समय-क्षेत्र वाले स्रोत।	मटाडटा, लग, वड़ा और स्वतंत्र सत्र।

5.3 रिपोर्ट को चुनौती देने वाली समीक्षा

स्वतंत्र समीक्षक केवल शैली ठीक नहीं करता। वह प्रत्येक वस्तु खोजता है, क्वेरी दोहराता है, मानों की तुलना करता है, अनुपलब्ध परिशिष्ट खोजता है और ऐसी व्याख्या खोजने का प्रयास करता है जिस पर विश्लेषक ने विचार नहीं किया। बचाव में पक्षपात न आए, इसके लिए वह आरोप के अनुकूल तथ्यों की भी समीक्षा करता है। टिप्पणियों का उत्तर व्यक्तिगत प्राधिकरण से नहीं, स्रोत और परिवर्तन के साथ दिया जाता है।

NIST SP 800-86 और ISO/IEC 27037 संग्रह, संरक्षण, परीक्षण, विश्लेषण और रिपोर्टिंग के ढाँचे प्रदान करते हैं। वे यह गारंटी नहीं देते कि निष्कर्ष सत्य है; इनसे यह पूछा जा सकता है कि मार्ग दस्तावेज़ित था या नहीं और कोई दूसरा व्यक्ति उसे दोहरा सकता है या नहीं। प्रतिष्ठा समीक्षा-क्षमता का विकल्प नहीं है।[1][2]

> **स्वतंत्रता का नियम**
> किसी कमजोर आधार-वाक्य को खोजने का सबसे अच्छा समय रिपोर्ट सौंपने से पहले है। यदि रिपोर्ट को टिके रहने के लिए किसी स्रोत या वैकल्पिक व्याख्या को छिपाना पड़ता है, तो उसे बेहतर भावुक बचाव नहीं, दूसरे विश्लेषण की आवश्यकता है।



चित्र 3. "इसलिए" के साथ उसका आधार-वाक्य भी दिखना चाहिए। तकनीकी अवलोकन से सीमित निष्कर्ष तक। संपादकीय पुनर्रचना; वास्तविक साक्ष्य नहीं है।

[1] NIST SP 800-86, Guide to Integrating Forensic Techniques into Incident Response. कार्यविधिगत मार्गदर्शिका; विधान या स्वीकार्यता की गारंटी नहीं। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[2] ISO/IEC 27037:2012. डिजिटल साक्ष्य की पहचान, संग्रह, अधिग्रहण और संरक्षण के दिशा-निर्देश। ISO ने इस संस्करण को प्रभावी माना है। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

अध्याय 6. विशेषज्ञ रिपोर्ट की समीक्षा

6.1 प्रत्येक निष्कर्ष की ट्रेसेबिलिटी

प्रत्येक निष्कर्ष से पीछे की ओर जाएँ: निष्कर्ष → खोज → क्वेरी → वस्तु → अधिग्रहण → स्रोत → प्राधिकरण। यदि कोई कड़ी अनुपलब्ध है, तो बताएँ कि किस कथन को सीमित करना होगा। ग्रंथ-सूची के पृष्ठ इस मार्ग का स्थान नहीं लेते। कोई तकनीकी मानक सत्य होकर भी यह सिद्ध नहीं करता कि उसे सही वस्तु पर लागू किया गया।

दस्तावेज़ी तथ्यों, तकनीकी परिणामों, अनुमानों और कानूनी राय में अंतर करें। विशेषज्ञ बता सकता है कि उसने क्या किया और क्या देखा; उसे दोष या प्रक्रिया के परिणाम की घोषणा नहीं करनी है। कानूनी मामलों पर राय को निष्कर्षों से अलग रखें ताकि उसका मूल्यांकन तकनीकी समीक्षा को प्रभावित न करे।

पाठ का स्तर	समीक्षा का उदाहरण	लक्षित प्रश्न
प्राप्त	EML के साथ दी गई संलग्नक जाँच।	क्या यह पूर्ण और पहचानकर्ताओं सहित संरक्षित है?
परिणाम	संलग्नक खोजा गया या नहीं पाया गया।	यह सामग्री और उत्पत्ति के बारे में क्या साबित करता है?
अनुमान	डिलीवरी में अखंडता का सत्यापन संरक्षित है।	किस समय से और किस सीमा के साथ?
निष्कर्ष	जानबूझकर सत्यापनीय डिलीवरी के अनुरूप है।	क्या पहचान या सत्यता को दावा किया जा सकता है?
कानूनी राय	यह उत्तरदायी है।	क्या यह विशेषज्ञ के कार्यक्षेत्र में आता है और यह किन आधार-वाक्यों का उपयोग करता है?

6.2 विरोधी-परीक्षण के लिए उपयोगी प्रश्न

प्रश्न भाषण देने के लिए नहीं, जाँच प्राप्त करने के लिए बनाएँ: किस वस्तु ने डेटा बनाया, उपकरण का कौन-सा संस्करण उपयोग हुआ, कौन-से फ़िल्टर लागू हुए, कौन-से फ़ील्ड खाली हैं, कौन-सा समय-क्षेत्र उपयोग हुआ, किस स्रोत ने परिकल्पना खारिज की और कौन-सी सीमाएँ किसी कार्रवाई को व्यक्ति से जोड़ने से रोकती हैं। यदि उत्तर “विशेषज्ञ का अनुभव” है, तो ठोस अभिलेख माँगें।

यह भी पूछें कि क्या मिलने पर निष्कर्ष बदल जाएगा। यदि उसे बदलने वाली कोई स्रोत संभव ही नहीं, तो विधि खंडन के लिए बंद हो सकती है। मजबूत रिपोर्ट बताती है कि कौन-सा डेटा निष्कर्ष का समर्थन करता है और कौन-सा उसे कमजोर कर सकता है। इससे वह कम दृढ़ नहीं, अधिक जाँचने योग्य बनती है।

> **कट्टाय प्रश्न**
> क्या कोई दूसरा व्यक्ति, प्रारंभिक संस्करण साझा किए बिना, वस्तु खोज सकता है, विधि दोहरा सकता है और अनुरूप परिणाम पा सकता है? यदि नहीं, तो निष्कर्ष ऐसी व्याख्या पर निर्भर है जिसकी समीक्षा अभिलेख से संभव नहीं है।

अध्याय 7. समेकित मामला: आरोप से सीमित निष्कर्ष तक

7.1 उपलब्ध सामग्री

एक काल्पनिक मामले में वार्तालाप का स्क्रीनशॉट, किसी प्लेटफ़ॉर्म से डाउनलोड किया गया वीडियो, PDF में दूरसंचार अभिलेख और उपस्थिति तथा कर्ता-संबंध का दावा करने वाली रिपोर्ट है। आरोपित व्यक्ति खाता स्वीकार करता है, लेकिन संदेश लिखने से इनकार करता है और दूसरा स्थान बताता है। अभी वीडियो की नेटिव फ़ाइल या दूरसंचार अभिलेख का EML उपलब्ध नहीं है। पहला परिणाम कोई लंबी प्रति-विशेषज्ञ रिपोर्ट नहीं, बल्कि अनुपलब्ध स्रोतों की सूची है।

7.2 जाँच और निष्कर्ष

वार्तालाप के निर्यात में बाद के संदेश दिखते हैं जो प्रारंभिक संदेश को मिटाए बिना अंश का अर्थ बदल देते हैं। वीडियो में प्लेटफ़ॉर्म का रूपांतरण दिखता है और निरंतरता का मूल्यांकन करने के लिए कैमरे का मूल वीडियो माँगा जाता है। दूरसंचार अभिलेख के EML से संलग्नक सत्यापित होता है, लेकिन डेटा शब्दकोश बताता है कि सेल नेटवर्क संबंध है, उपयोगकर्ता का निर्देशांक नहीं। आरोप की रिपोर्ट ने तीन अलग कथनों को एक में जोड़ दिया था।

समीक्षा का निष्कर्ष यह नहीं है कि सब असत्य है। निष्कर्ष है कि संदेश मौजूद है, प्रारंभिक संदर्भ अधूरा था, वीडियो से अभी मौलिकता का दावा नहीं किया जा सकता और दूरसंचार अभिलेख पता या फ़ोन धारक सिद्ध नहीं करता। ये निष्कर्ष उपयोगी हैं क्योंकि स्पष्ट करते हैं कि किस बात पर आधार सहित बहस हो सकती है और किसके लिए दूसरा स्रोत चाहिए।

7.3 संक्षिप्त परिणाम रिपोर्ट

तकनीकी निष्कर्ष का उदाहरण

1. स्क्रीनशॉट EV-01 में संदेश का दृश्यमान अंश है, लेकिन यह संपूर्णता, भौतिक कर्ता-संबंध या निर्माण तिथि प्रमाणित नहीं करता। बाद के निर्यात EV-04 में आसन्न संदेश मिलते हैं जिन्हें सामग्री की व्याख्या में ध्यान में रखना चाहिए।

2. फ़ाइल EV-02 प्लेटफ़ॉर्म से डाउनलोड की गई है। उसकी संरचना वैध रूपांतरण के अनुरूप हो सकती है; कैमरे के मूल वीडियो और तुलनीय संदर्भ के बिना मौलिकता पर निष्कर्ष नहीं दिया जाता।

3. दूरसंचार अभिलेख EV-03 घटना को सेल DEMO-A17 से जोड़ता है। डेटा शब्दकोश में सटीक स्थान निर्धारित करने योग्य मापन नहीं हैं। स्रोत पता या फ़ोन धारक प्रमाणित नहीं करता।

4. भौतिक कर्ता-संबंध के कथन के लिए सत्र, उपकरण, प्रमाणीकरण कारक और संदर्भ का अतिरिक्त साक्ष्य चाहिए। परिणाम सामान्य असत्यता या जाँचे गए कवरेज से बाहर दूसरी घटनाओं की अनुपस्थिति सिद्ध नहीं करता।

सीख

तकनीकी बचाव दोषमुक्ति का वादा किए बिना सटीक हो सकता है। उसकी ताकत यह स्पष्ट दिखाने में है कि आरोप का कौन-सा भाग स्रोत से नहीं निकलता।

परिशिष्ट A. समीक्षा प्रारूप और प्रश्न

A.1 कथन मैट्रिक्स

फ़ील्ड	आवश्यक सामग्री	काल्पनिक उदाहरण
दावाकृत कथन	बिना व्याख्या या विश्लेषण के पाठ।	व्यक्ति ने 21:03 बजे लिखा।
वस्तु और स्रोत	पहचानकर्ता, प्रतिनिधित्व और उत्पत्ति।	स्क्रीनशॉट EV-01, मोटे फ़ाइल लोकेटर।
उपयोग किए गए जीवाश्म-पाक्ष	कथन को बनाए रखने के लिए क्या सत्य होना चाहिए।	खाता – व्यक्ति, दिखाया गया समय – स्थानीय।
जोड़	विधि, फ़िल्टर, उपकरण और कवरेज।	निर्यात, सत्र और शब्दकोश।
विरोधी नोट	गलत न खोज पाने वाले मूल नोट और तनावपूर्ण कारण।	अलग UTC समय-क्षेत्र वाली सुविधा।
सीमित निष्कर्ष	क्या साबित होता है और क्या नहीं।	सुविधा मौजूद है, भौतिक कर्ता-संबंध प्रमाणित नहीं।
लंबित स्रोत	परिणाम क्या बदल सकता है और उसे कब माँगा जाए।	सत्र जर्नलेख और प्रति मानचित्रण।

A.2 तकनीकी प्रश्नों की सूची

समीक्षा के प्रश्न बनाने का मार्गदर्शक

1. सटीक वस्तु कौन-सी है और उसका नेटिव प्रतिनिधित्व कहाँ है?

2. किस क्वेरी से खोज मिलती और उसका कवरेज क्या था?
3. कौन-से फ़ील्ड बाहर रखे गए, फ़िल्टर किए गए या खाली रह गए?
4. तिथि, समय-क्षेत्र और परिशुद्धता का क्या अर्थ है?
5. इसी खोज के साथ कौन-सी अन्य व्याख्या मेल खाती है?
6. कौन सा स्रोत मुख्य परिकल्पना को कमजोर कर सकता है?
7. क्या पुष्टि स्वतंत्र है या वही फ़ाइल दोहराई जा रही है?
8. कौन-सा आधार-वाक्य खाते से व्यक्ति तक पहुँचने की अनुमति देता है?
9. निष्कर्ष का कौन-सा भाग तकनीकी और कौन-सा कानूनी है?
10. कौन-कौन सी सीमाएँ हमें और अधिक कहने से रोकती हैं?

A.3 अनुरोधित और प्राप्त स्रोतों का अभिलेख

अनुरोध	प्राप्ति और निपटान	स्थिति
पंजीयन की मूल फ़ाइल और निर्यात	EML, सत्यापन, हश, फ़िल्टर और शब्दकोश।	[लंबित / प्राप्त / सीमित]
मूल फ़ाइल और पोर्टल स्क्रीन	वस्तु, उपकरण, सत्करण, तिथि और विधि।	[ ]
दूरसंचार जानकारी की मूल फ़ाइल और डेटा शब्दकोश	फ़ील्ड, समय-क्षेत्र, सेल, कवरेज और EML।	[ ]
खाते के स्तर और प्रमाणीकरण कारक	सामग्री, उपकरण, पहुंच और पुनर्प्राप्ति।	[ ]
प्रकाशित रिपोर्ट के परिशिष्ट	उद्धरण और दोहराई जा सकने वाली क्वेरी से संबंध।	[ ]

परिशिष्ट B. समीक्षा के लिए कानूनी कार्य

तकनीकी समीक्षा मान्यता, अखंडता, मूल रूप, अट्रिब्यूशन और मूल्यांकन के नियमों से जुड़ती है। स्वीकार्यता पूर्ण प्रमाण के समान नहीं है और हस्ताक्षर की धारणा सभी तथ्य प्रमाणित नहीं करती। स्रोत का विश्लेषण उसके क्षेत्राधिकार, विषय और संस्करण के अनुसार करें; यह मार्गदर्शिका बचाव के प्रक्रियागत अध्ययन का विकल्प नहीं है।

क्षेत्राधिकार	प्रासंगिक दस्तावेज़ी ढांचा	बचाव में अनुप्रयोग
मेक्सिको	CCom. 89–94 और 1205, CFPC 210-A / CNPCF 348–350 संक्रमण के अनुसार।	विधि की विश्वसनीयता, अट्रिब्यूशन, अखंडता और पहुँच-योग्यता; प्रभावी व्यवस्था की समीक्षा करें।
पेरू	Reglamento TUPE, CPC 188–197 और 245.5; क्षेत्रीय अभिलेखीय मानक।	प्रमाण-भार, पक्षता, सामान्य/असामान्य साधन और तकनीकी साधनों से तिथि।
चिली	Ley 19.799, अनुच्छेद 1–5।	हस्ताक्षर के प्रकार, तिथि और प्रमाण-मूल्य में अंतर।
अर्जेंटीना	Ley 25.506, CCyC 318–319, Decreto 182/2019।	माध्यम की विश्वसनीयता, पत्राचार और सीमित धारणाएँ।
कोलंबिया	Ley 527, अनुच्छेद 5–13, 16–23 और 28, जहाँ लागू हो CPACA।	मूल रूप, संरक्षण, साधन, स्वीकार्यता और मूल्यांकन।
इक्वाडोर	Ley 67, अनुच्छेद 2, 6–8, 10–16 और Reglamento।	अखंडता, संरक्षण, उत्पत्ति और हस्ताक्षर के प्रभाव।
स्पेन / यूरोपीय संघ	eIDAS 25–26 और 46; LEC 326 और 384; Ley 6/2020।	पुनरीक्षा, फ़ोरेंसिक, परीक्षण और मूल्यांकन; Ley 59/2003 को प्रभावी रूप में उद्धृत न करें।

तालिका के स्रोत:[34567891011121314]

समापन

समीक्षा का अर्थ संदेह गढ़ना नहीं है। इसका अर्थ यह अपेक्षा करना है कि कथन का स्रोत और विधि हो तथा निष्कर्ष सिद्ध तथ्य से आगे न बढ़े।

[3]मेक्सिको का वाणिज्य संहिता, अनुच्छेद 89–94 और 1205: तटस्थता, अट्रिब्यूशन, लिखित रूप, मूल रूप, अखंडता, पहुँच-योग्यता और डेटा संदेशों की स्वीकार्यता। आधिकारिक संकलन। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[4]संघीय नागरिक प्रक्रिया संहिता, अनुच्छेद 210-A: विधि की विश्वसनीयता, अट्रिब्यूशन, पहुँच-योग्यता और इलेक्ट्रॉनिक जानकारी की अखंडता। 07-06-2023 के अध्यादेश से निरस्त संहिता, क्रमिक संक्रमण व्यवस्था के अधीन। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[5]राष्ट्रीय नागरिक और पारिवारिक प्रक्रिया संहिता, अनुच्छेद 348–350। 15-01-2026 के संशोधन सहित संकलन। इसका क्रमिक कार्यान्वयन घोषणापत्रों पर निर्भर है। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[6]पेरू। नागरिक प्रक्रिया संहिता, अनुच्छेद 188–197 और 245.5: उद्देश्य, वैधता, साधन, प्रमाण-भार, मूल्यांकन और तकनीकी साधनों से तिथि। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[7]चिली। इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज़ों और इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर संबंधी Ley 19.799, अनुच्छेद 1–5: समतुल्यता, लिखित रूप, साधारण/उन्नत हस्ताक्षर, तिथि और प्रमाण-मूल्य। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[8]अर्जेंटीना। नागरिक और वाणिज्यिक संहिता, अनुच्छेद 318–319: किसी भी माध्यम से पत्राचार तथा तकनीकी माध्यमों और प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता का मूल्यांकन। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[9]अर्जेंटीना। डिजिटल हस्ताक्षर संबंधी Ley 25.506, अनुच्छेद 1 और 5–9: डिजिटल दस्तावेज़, अज्ञात इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर का आह्वान करने पर प्रमाण-भार और सीमांकित धारणाएँ। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[10]कोलंबिया। Ley 527 (1999), अनुच्छेद 5–13, 16–25 और 28: डेटा संदेश, लिखित रूप, मूल रूप, अखंडता, स्वीकार्यता, संरक्षण, प्रेषण, प्राप्ति और डिजिटल हस्ताक्षर। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[11]इक्वाडोर। इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य, इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर और डेटा संदेश संबंधी Ley 67, अनुच्छेद 2, 6–8, 10–16: समतुल्यता, लिखित रूप, मूल रूप, संरक्षण, उत्पत्ति, प्रेषण, प्राप्ति और इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[12]Reglamento (UE) 910/2014 eIDAS, अनुच्छेद 25–26 और 46: प्रारूप के आधार पर इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षरों और दस्तावेज़ों के साथ भेदभाव न करना, उन्नत हस्ताक्षर और योग्य हस्ताक्षर के प्रभाव। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[13]स्पेन। नागरिक विचारण संहिता, अनुच्छेद 326 और 384: निजी दस्तावेज़, चुनौती, डेटा संग्रहित करने, जानने या पुनः उत्पन्न करने के साधन, परीक्षण, कस्टडी और विवेकपूर्ण मूल्यांकन। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत

[14]स्पेन। विश्वसनीय इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं संबंधी Ley 6/2020: Ley 59/2003 और LSSI के अनुच्छेद 25 का निरसन; पुरानी व्यवस्था को प्रभावी के रूप में उद्धृत नहीं किया गया है। आधिकारिक ऑनलाइन स्रोत